



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 63]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 19, 2015/फाल्गुन 28, 1936

No. 63]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 19, 2015/PHALGUNA 28, 1936

## वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2015

(निर्णायक समीक्षा)

**विषय : चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "बेरियम कार्बोनेट" के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्कों की निर्णायक समीक्षा (एसएसआर) की शुरुआत ।**

**फा. संख्या 15/27/2014-डीजीएडी.**—वर्ष 1995 और तत्पश्चात यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियम भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. यतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने दिनांक 16 जून, 2009 की अधिसूचना सं. 14/18/2009-डीजीएडी के जरिए चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "बेरियम कार्बोनेट" (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत की थी।

3. यतः, प्राधिकारी ने दिनांक 7 जनवरी, 2010 की अधिसूचना सं. 14/18/2009-डीजीएडी के जरिए चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण की सिफारिश करते हुए प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किए थे। केंद्र सरकार ने दिनांक 23 मार्च, 2010 की अधिसूचना सं. 37/2010 के जरिए चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम शुल्क लगाया था। प्राधिकारी के अंतिम जांच परिणाम दिनांक 10 दिसम्बर, 2010 की अधिसूचना सं. 14/18/2009-डीजीएडी के जरिए प्रकाशित हुए थे। केंद्र सरकार की दिनांक 7 फरवरी, 2011 की अधिसूचना सं. 6/2011 के जरिए उक्त देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

4. यतः, मै. सॉल्वे विष्णु बेरियम प्रा. लि. एवं मै. एलैक केम इंडस्ट्रीज़ (इंडिया) प्रा. लि. के प्रतिनिधित्व वाले घरेलू उत्पादकों की ओर से लघु बेरियम विनिर्माता वेलफेयर एसोसिएशन (जिन्हें एतदपश्चात आवेदक भी कहा गया है) ने

अधिनियम और नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष एक विधिवत रूप से साक्ष्यांकित आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु का पाटन जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति का आरोप लगाया गया है और उक्त देश के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने, उसे जारी रखने एवं उसमें वृद्धि करने का अनुरोध किया गया है। मै. सॉल्वे विष्णु बेरियम प्रा. लि. और मै. एलैक केम इंडस्ट्रीज़ (इंडिया) प्रा. लि. ने घरेलू उद्योग के रूप में विस्तृत सूचना प्रदान की है।

### शामिल देश

5. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य है।

### विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

6. मूल जांच की ही भांति वर्तमान एसएसआर आवेदन में विचाराधीन उत्पाद 'बेरियम कार्बोनेट' है। मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया था:

“9. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन. गण. के मूल का अथवा वहाँ से निर्यातित 'बेरियम कार्बोनेट' है (जिसे एतदपश्चात् “संबद्ध उत्पाद” या “संबद्ध वस्तु” अथवा “विचाराधीन उत्पाद” भी कहा गया है)।

बेरियम कार्बोनेट एक हानिकारक, गैर-ज्वलनशील अकार्बनिक रसायन है जो सफेद पाउडर या दानों के रूप में होता है, इसका रासायनिक सूत्र बीएसीओ<sub>3</sub> है और इसका विनिर्माण एक खनिज उत्पाद बेराइट्स से किया जाता है। बेरियम कार्बोनेट के अनुप्रयोग निम्नानुसार हैं:

क) कॉस्टिक सोडा उद्योग में ब्राइन घोल का शुद्धिकरण।

ख) हार्ड फेराइट रिंग मैग्नेट्स, टेलीविजन ग्लास शेल, न्यूट्रल ग्लास, लैम्प्स, हीट ट्रीटमेंट सॉल्ट्स एवं अन्य बेरियम सॉल्ट्स, चूहों के ज़हर, सेरामिक ग्लेज़ेज़ और वेल्लिंग फ्लक्स का उत्पादन।

ग) फ्लक्स, मैटिंग और क्रिस्टलाइजिंग एजेंट के रूप में कार्य करता है और कुछेक रंजक ऑक्साइड्स के साथ मिलकर ऐसे अनन्य रंग बनाता है जिन्हें अन्य तरीकों से सरलता से प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

घ) कच्ची सामग्री के घुलनशील सल्फ्यूरिक लवणों को अघुलनशील बेरियम सल्फेट में बदलने की अपनी विशेषता के कारण हैवी क्ले सेरामिक उत्पादों के विनिर्माण में।

ङ) ईंट, टाइल, मिट्टी के बरतन और पॉटरी उद्योगों में बेरियम कार्बोनेट को क्ले में मिलाया जाता है ताकि फूलने वाले घुलनशील लवणों (कैल्शियम और मैग्नेशियम सल्फेट्स) को तल में बिठाया जा सके।

10. संबद्ध वस्तु अधिनियम के अध्याय 28 में उप शीर्ष सं. 28366000 के अंतर्गत आती है। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।”

7. चूंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, अतः विचाराधीन उत्पाद का दायरा मूल जांच के समान ही रहेगा। संबद्ध वस्तु अधिनियम के अध्याय 28 में उप शीर्ष सं. 28366000 के अंतर्गत आती है। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

### समान वस्तु

8. समान वस्तु के संबंध में नियम 2(घ) निम्नानुसार है:

“समान वस्तु से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटित किए जाने के लिए जांचाधीन वस्तु से हर तरीके से समनुरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी दूसरी वस्तु जो यद्यपि हर प्रकार से समान नहीं है तथापि उसमें जांचाधीन वस्तुओं से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हैं;”

9. आवेदकों ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित बेरियम कार्बोनेट में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित बेरियम कार्बोनेट में भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण आदि जैसे मापदंडों के रूप में सदृश विशेषताएं हैं। दायर किया गया आवेदन पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा, उसे जारी रखने और उसकी राशि में वृद्धि के लिए है और पूर्व जांचों में समान वस्तु के मुद्दे पर विचार किया जा चुका है। पूर्व जांचों में प्राधिकारी ने माना है कि आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के 'समान वस्तु' है।

### घरेलू उद्योग और उसकी पात्रता

10. यह आवेदन लघु बेरियम विनिर्माता वेलफेयर एसोसिएशन ने दायर किया है। मै. सॉल्वे विष्णु बेरियम प्रा. लि. और मै. एलैक केम इंडस्ट्रीज़ (इंडिया) प्रा. लि. ने घरेलू उद्योग के रूप में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की है। देश में बेरियम कार्बोनेट के

कई लघु उत्पादक हैं। आवेदन से यह नोट किया गया है कि समर्थक कंपनियों के साथ याचिकाकर्ता कंपनियों का भारत में संबद्ध वस्तु के सकल घरेलू उत्पादन में बड़ा हिस्सा है। अतः याचिकाकर्ता कंपनियां वर्तमान याचिका को दायर करने के लिए पात्रता संबंधी अपेक्षा को पूरा करती हैं और नियमों के अर्थ के भीतर वे घरेलू उद्योग हैं।

11. जैसाकि आवेदकों द्वारा निवेदन किया गया है, किसी भी आवेदक कंपनी ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है। यह भी निवेदन किया गया है कि कोई भी आवेदक कंपनी संबद्ध वस्तु के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित नहीं है। अतः प्राधिकारी ने वर्तमान आवेदकों को नियमावली के नियम 2 (ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग माना है और नियमावली के नियम 5 के अनुसार आवेदन से पात्रता संबंधी शर्तें पूरी होती हैं।

#### **पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा की शुरुआत**

12. यतः विधिवत प्रमाणित प्रस्तुत आवेदन को ध्यान में रखते हुए और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के संबंध में लागू शुल्कों को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने और यह जांच करने के लिए कि क्या ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति तथा घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है, एतद्वारा निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करते हैं।

#### **जांच अवधि**

13. आवेदक द्वारा प्रस्तावित जांच अवधि (पीओआई) अप्रैल 2013 – जून, 2014 (15 माह) की है और क्षति अवधि में 2010-11, 2011-12, 2012-13 तथा जांच अवधि शामिल हैं। तथापि, प्राधिकारी को अद्यतन आंकड़ों के आधार पर विश्लेषण करने में सक्षम बनाने के लिए प्राधिकारी एतद्वारा अप्रैल, 2013 – सितम्बर, 2014 (18 माह) को जांच अवधि के रूप में निर्धारित करते हैं। तथापि, क्षति अवधि में 2010-11, 2011-12, 2012-13 तथा जांच अवधि शामिल होगी। पाटन और क्षति की संभावना की जांच करने के लिए जांच अवधि से इतर जानकारी की भी जांच की जा सकती है।

#### **प्रक्रिया**

14. इस समीक्षा में दिनांक 10 दिसम्बर, 2010 की अधिसूचना सं. 14/18/2009- डीजीएडी (मूल जांच का अंतिम जांच परिणाम) और दिनांक 28 फरवरी, 2013 की अधिसूचना सं. 14/18/2009- डीजीएडी (संशोधन अधिसूचना) के सभी पहलू शामिल हैं।

15. नियमावली के नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 एवं 20 के उपबंध यथोचित परिवर्तनों सहित इस समीक्षा पर लागू होंगे।

#### **सूचना प्रस्तुत करना**

16. संबद्ध देश में ज्ञात निर्यातकों, भारत में स्थित उनके दूतावास के जरिए उनकी सरकार, उत्पाद से संबंधित समझे जाने वाले भारत में ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं को निर्धारित प्रपत्र में एवं ढंग से समस्त संगत सूचना प्रस्तुत करने और प्राधिकारी को अपने विचारों से निम्नलिखित पते पर अवगत कराने के लिए अलग से सूचित किया जा रहा है:

भारत सरकार  
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय  
वाणिज्य विभाग  
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय  
चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग,  
5, संसद मार्ग, नई दिल्ली – 110001

17. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी जांच से संगत कोई अनुरोध नीचे दी गई समय सीमा के भीतर निर्धारित ढंग और पद्धति से प्रस्तुत कर सकता है। प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार द्वारा अन्य पक्षकारों को उसका अगोपनीय अंश उपलब्ध कराना अपेक्षित है।

#### **समय-सीमा**

18. वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई सूचना और सुनवाई हेतु कोई अनुरोध इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों (40 दिनों) के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास लिखित में भेजी जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अधूरी होती है, तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

19. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा सलाह दी जाती है कि वे इस समीक्षा जांच की शुरुआत की तारीख से चालीस दिनों (40 दिनों) के भीतर वर्तमान मामले में अपने हित (हित के स्वरूप सहित) की सूचना दें और प्रश्नावली के अपने उत्तर दायर करें तथा पाटनरोधी उपाय जारी रखने की जरूरत अथवा अन्यथा के बारे में घरेलू उद्योग के आवेदन पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करें।

### गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

20. यदि प्रश्नावली/अभ्यावेदन के किसी भाग के संबंध में गोपनीयता का दावा किया जाता है तो उसे दो अलग-अलग सैटों में प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा—(क) गोपनीय रूप से अंकित एक सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि); और (ख) अगोपनीय रूप में अंकित दूसरा सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि)। समस्त प्रस्तुत सूचना के प्रत्येक पृष्ठ पर सबसे ऊपर “गोपनीय” या “अगोपनीय” अंकित होना चाहिए और सूचना के साथ उसकी सॉफ्ट प्रति होनी चाहिए।

21. गोपनीय अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को प्राधिकारी द्वारा अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी अगोपनीय सूचना का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे। सभी हितबद्ध पक्षों द्वारा गोपनीय एवं अगोपनीय पाठ की दो-दो प्रतियां प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।

22. गोपनीयता का दावा की गई सूचना के संबंध में सूचना प्रदाता को प्रदत्त सूचना के साथ ऐसे कारणों का विवरण प्रस्तुत करना होगा कि उस सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है अथवा उसका सारांश प्रस्तुत करना क्यों संभव नहीं है।

23. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना, जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है, पर निर्भर रहते हुए अधिमानतः सूचीबद्ध या रिक्त छोड़ी गई (यदि सूचीबद्ध करना व्यवहार्य न हो)/सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है। अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की विषय वस्तु को समुचित ढंग से समझा जा सके। तथापि, आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है; तो प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांश क्यों संभव नहीं है।

24. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

25. सार्थक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड में नहीं लिया जाएगा। संतुष्ट होने और प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत को स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार पर उसका प्रकटन नहीं करेंगे।

### सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

26. नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण रखे गए हैं।

### असहयोग

27. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी ऐसे पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

जे.के. दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****Initiation Notification**

New Delhi, the 19th March, 2015

**(Sunset Review)****Subject: Initiation of Sunset Review (SSR) of Anti-Dumping duties imposed on the imports of 'Barium Carbonate', originating in or exported from China PR.**

**F. No.15/27/2014-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and thereafter (hereinafter also referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred as the Rules);

2. Whereas, an anti-dumping investigation concerning imports of "Barium Carbonate" (hereinafter also referred as the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred as the subject country), was initiated by the Designated Authority (hereinafter also referred as the Authority) vide Notification No.14/18/2009-DGAD dated 16th June, 2009.

3. Whereas, the preliminary finding was issued by the Authority, recommending imposition of provisional anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, vide Notification No. 14/18/2009-DGAD dated 7th January, 2010. The provisional anti-dumping duty was imposed by the Central Government on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country vide Notification No. 37/2010 dated 23rd March, 2010. The Final Findings notification of the Authority was published vide Notification No. 14/18/2009-DGAD dated 10th December, 2010. The definitive anti-dumping duties were imposed by the Central Government on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country vide Notification No. 6/2011 dated 7th February, 2011.

4. Whereas, Small Scale Barium Manufacturers Welfare Association (hereinafter also referred to as the applicant) have filed a duly substantiated application before the Authority, in accordance with the Act and the Rules and on behalf of the domestic producers represented by M/s. Solvay Vishnu Barium Pvt. Ltd. and M/s. Ellak Chem Industries (India) Pvt. Ltd., alleging likelihood of continuation or recurrence of dumping of the subject goods, originating in or exported from China PR and consequent injury to the domestic industry and have requested for review, continuation and enhancement of the anti-dumping duties, imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from the said country. M/s. Solvay Vishnu Barium Pvt. Ltd. and M/s. Ellak Chem Industries (India) Pvt. Ltd. have provided required information as domestic industry.

**Country Involved**

5. The subject country in the present sunset review investigation is China PR.

**Product under Consideration and Like Article**

6. The product under consideration in the present SSR application, as in the original investigation, is 'Barium Carbonate'. The Product under Consideration (PUC) in the original investigation was defined as under:

*"9. The product under consideration in this investigation is 'Barium Carbonate' (hereinafter also referred to as "subject product" or "subject goods" or "product under consideration") originating in or exported from China PR.*

*Barium Carbonate is a harmful, non-flammable inorganic chemical in the form of a white powder and granules having chemical formula BaCO<sub>3</sub> manufactured out of Barytes, a mineral product. Barium Carbonate has the following applications:*

- a) Purification of brine solution in caustic soda industry.*
- b) In production of Hard Ferrite Ring Magnets, Television Glass Shell, Neutral glass, Lamps, Heat treatment salts and other barium salts, rat poison, ceramic glazes and welding flux.*
- c) Acts as a flux, matting and crystallizing agent and combines with certain colouring oxides to produce unique colours not easily attainable by other means.*
- d) In the manufacture of heavy clay ceramic products because of its property of converting soluble sulfuric salts in the raw material into insoluble barium sulfate.*

*e) In the brick, tile, earthenware and pottery industries Barium Carbonate is added to clays to precipitate soluble salts (calcium and magnesium sulfates) that cause efflorescence.*

*10. The subject goods fall under Chapter 28 of the Act under subheading no. 28366000. However, the Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation."*

7. Since the present application is for sunset review investigation, the scope of the product under consideration shall remain the same as that of original investigation. The subject goods fall under Chapter 28 of the Customs Tariff under Subheading No. 28366000. However, the customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

#### **Like Article**

8. Rule 2(d) with regard to like article provides as under: -

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

9. Applicants have claimed that there is no known difference in barium carbonate produced by them and exported from the subject country. Barium carbonate produced by the applicants and imported from the subject country are having comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The application filed is for the review, continuation and enhancement of the quantum of the anti-dumping duty in force, and the issue of like article has been already dealt with in the previous investigations. In the earlier investigations the Authority has already held that the subject goods produced by the domestic industry is like article to the same imported from the subject country.

#### **Domestic Industry & Standing**

10. The application has been filed by Small Scale Barium Manufacturers Welfare Association. M/s. Solvay Vishnu Barium Pvt. Ltd. and M/s. Ellak Chem Industries (India) Pvt. Ltd. have provided detailed information as domestic industry. There are a number of small scale producers of Barium Carbonate in the country. From the application it is noted that the production of petitioning companies along with supporting companies constitutes a major proportion of total domestic production of subject goods in India. The petitioning companies, therefore, satisfy the requirement of standing to file the present petition and constitute 'Domestic Industry' within the meaning of the Rules.

11. As submitted by the applicants, none of the applicant companies have imported the subject goods from the subject country. It has been further submitted that none of the applicant companies is related to any exporter or importer of the subject goods. Therefore, the Authority has considered the present applicants as constituting domestic industry within the meaning of the Rule 2(b) of the Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

#### **Initiation of Sunset Review of Anti-Dumping Duty**

12. Whereas in view of the duly substantiated application filed and in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority hereby initiates a Sunset review investigation to review the need for continued imposition of the duties in force in respect of the subject goods, originating in or exported from the subject country and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

#### **Period of Investigation**

13. The period of investigation (POI) proposed by the applicant is April, 2013 – June, 2014 (15 Months) with the injury investigation period as covering 2010-11, 2011-12, 2012-13 and POI. However, for enabling the Authority to make required analysis on the basis of more updated data, the Authority hereby determines the POI as April, 2013–September, 2014 (18 Months). The injury investigation period will, however, cover the periods 2010-11, 2011-12, 2012-13 and POI. The data beyond POI may also be examined to determine the likelihood of dumping and injury.

#### **Procedure**

14. The review covers all aspects of Notification No. 14/18/2009-DGAD dated 10<sup>th</sup> December, 2010 (final findings of the original investigation) and Notification No. 14/18/2009-DGAD dated 28<sup>th</sup> February, 2013 (amendment notification).

15. The provisions of Rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 and 20 of the Rules supra shall be mutatis mutandis applicable in this review.

**Submission of Information**

16. The known exporters in the subject country, the government of the subject country through its embassy in India, the importers and users in India known to be concerned with the product are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority at the following address:

**Government of India  
Ministry of Commerce and Industry  
Department of Commerce  
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties  
4th Floor, Jeevan Tara Building  
5, Parliament Street, New Delhi – 110001**

17. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. Any party making any confidential submission before the Authority is required to submit a non-confidential version of the same to be made available to the other parties.

**Time Limit**

18. Any information relating to the present review and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of publication of this Notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Anti-dumping Rules.

19. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application regarding the need to continue or otherwise the Anti-dumping measures within 40 days from the date of initiation of this investigation.

**Submission of information on confidential basis**

20. In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire response/submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc.) and (b) other set marked as Non-Confidential (with title, index, number of pages, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "confidential" or "non-confidential" at the top of each page and accompanied with soft copies.

21. Information supplied without any confidential marking shall be treated as non-confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies of the confidential version and two (02) copies of the non-confidential version must be submitted by all the interested parties.

22. For information claimed as confidential, the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.

23. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out /summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, parties submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summarization; a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.

24. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.

25. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim may not be taken on record by the Authority. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided; shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

**Inspection of public file**

26. In terms of rule 6(7) of the Rules, any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidences submitted by other interested parties.

**Non-cooperation**

27. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

J. K. DADOO, Designated Authority